संख्या- 12/2016/1003/84-1-15-5बामा/15

प्रेषक,

डा0 जटा शंकर त्रिपाठी,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1-नियंत्रक,
विधिक माप विज्ञान विभाग,
उ0प्र0, लखनऊ।

2-आहरण एवं वितरण अधिकारी,
खाद्य एवं रसद सचिव शाखा,
उत्तर प्रदेश शासन।

उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1

लखनऊ दिनॉक 04 अप्रैल, 2016

विषय- वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्ष "3475-अन्य सामान्य आर्थिक सेवायें-आयोजनेत्तर-106-भार और माप का विनियमन-03-अधिष्ठान व्यय" के अधीन धनराशि का आबंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-429/निविमावि-लेखा-7(25)मॉग/2014-15, दिनॉक 06 नवम्बर, 2015, के क्रम में एवं वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2016/बी-1-746/दस-2016-231/2016 दिनॉक 22 मार्च, 2016 में निहित निर्देशों के अधीन, मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय विधिक माप विज्ञान विभाग तथा खाद्य एवं रसद सचिव शाखा के अधिष्ठान पर होने वाले व्यय को वहन करने हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिये आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि कुल रू0 38,37,61,000/-(अडतीस करोड सैंतिस लाख इकसठ हजार रूपये) मात्र की धनराशि अधोलिखित विवरण के अनुसार, निम्न शर्तो के अधीन आपके निवर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

(धनराशि हजार रूपये में)

मद संख्या व मानक मद का नाम	विधिक माप विज्ञान विभाग हेतु आबंटित धनराशि	शासन के शाखा स्तर पर कार्यरत खाद्य एवं रसद सचिव शाखा के स्टाफ हेतु आबंटित धनराशि	योग
01-वेतन	148031	400	148431
02-मजदूरी	500	-	500
03-मंहगाई भत्ता	201466	400	201866
04-यात्रा व्यय	1020	30	1050
05-स्थानान्तरण यात्रा व्यय	100	-	100
06-अन्य भत्ते	14783	60	14843
07-मानदेय	01	-	01
08-कार्यालय व्यय	440	60	500
09-विद्युत देय	800	-	800
10-जलकर/जल प्रभार	100	-	100
11-लेखन सामग्री और फार्मो की छपाई	500	-	500
12-कार्यालय फर्नीचर एवं उपकरण	900	-	900
13-टेलीफोन पर व्यय	300	-	300
14-स्टाफ कार/मोटर गाडियों का क्रय	700	-	700
15-गाडियों का अनुरक्षण एवं पेट्रोल की खरीद	2220	-	2220
16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	100	-	100

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

17-किराया उपशुल्क एवं कर स्वामित्व	4000	-	4000
19-विज्ञापन बिक्री और विख्यापन व्यय	-	-	-
26-मशीन सज्जा/उपकरण और संयत्र	2000	-	2000
42-अन्य व्यय	200	-	200
44-प्रशिक्षण हेतु यात्रा एवं अन्य प्रासंगिक व्यय	500	-	500
45-अवकाश यात्रा व्यय	100	-	100
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर एवं साफ्टवेयर का क्रय	1000	-	1000
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण एवं तत्संबंधी लेखन सामग्री का क्रय	1000	-	1000
49-चिकित्सा व्यय	2000	-	2000
51-वर्दी वेतन	50	-	50
कुल योग	382811	950	383761

(रूपये अडतीस करोड सैंतिस लाख इकसठ हजार)

2- वित्तीय वर्ष 2016-17 के अन्तर्गत व्यवस्थित धनराशि से व्यय केवल चालू योजनाओं पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में नई मदों के कार्यान्वयन के लिये न किया जाय। इस आबंटित धनराशि में मुख्यालय के व्यय हेतु आवश्यक धनराशि रोककर शेष अपने अधीनस्थ समस्त कार्यालयों को आवश्यकतानुसार धनराशि आबंटित कर दें तथा आबंटन की प्रति शासन को भी उपलब्ध करायी जाय। जनपद स्तर पर आहरण एवं वितरण अधिकारी होने की दशा में विभागाध्यक्ष स्तर पर एक मुश्त धनराशि का आहरण न किया जाय।

3- उक्त धनराशि को व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल और फाइनेन्सियल हैण्ड बुक के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत राज्य सरकार/केन्द्र सरकार अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

4- शासकीय व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अत: व्यय करते समय मितव्ययिता के संबंध में जारी शासनादेश संख्या-सी0ए0-1132/दस-2004-मित-2004, दिनॉक 07 जनवरी, 2005 का विशेष रूप से पालन किया जाय।

5- व्यय की मानक मद 04-यात्रा व्यय के लिये आबंटित धनराशि के समक्ष होने वाले व्यय को इस प्रकार नियंत्रित (रेगुलेट) किया जाय कि नियत यात्रा भत्ता/वाहन भत्ता का नियमित रूप से भुगतान सुनिश्चित हो सके।

6- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर के क्रय में शासन द्वारा समय समय पर निर्गत आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय किया जाय।

7- आहरण एवं वितरण अधिकारियों द्वारा कोषागार से धनराशि का आहरण तत्काल आवश्यकता होने पर ही किया जायेगा। किसी भी दशा में धनराशि को आहरित कर बैंक/डाकघर में जमा नहीं किया जायेगा।

8- जितनी भी वित्तीय स्वीकृतियॉ जारी की जांय तथा जो बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किया जाय उसमें स्पष्ट रूप से पूर्ण लेखाशीर्ष (15 डिजिट कोड में) के साथ संबंधित अनुदान संख्या का भी उल्लेख अवश्य किया जाय।

9- बी0एम0-08 तथा बी0एम0-13 पर प्रतिमाह की 10 तारीख तक नियमित रूप से वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7, वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन को सूचना उपलब्ध करायी जाय। बजट मैनुअल के विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से भेजी जाने वाली सूचना तथा उसके संबंध में कैलेण्डर के संकलित प्रारूप का उल्लेख मुख्य सचिव के अर्धशासकीय पत्र संख्या-बी-1-3318/दस-22/98, दिनॉक 28-7-98 में किया गया है।

10- साधारण कार्यमानक तुलाओं/इलेक्ट्रानिक्स तुलाओं, स्टाफ कारों/मोटर गाडियों के क्रय हेतु धनराशि उसी दशा में व्यय की जाय जबकि इसे क्रय करने की प्रशासनिक स्वीकृति शासन के संबंधित प्रशासनिक अनुभाग (उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन) से प्राप्त कर ली जाय।

http://shasanadesh.up.nic.in

11- यह सुनिश्चित किया जाय कि व्यय को कडाई के साथ प्राधिकृत विनियोग के भीतर रखा जाय। विभागाध्यक्ष/वित्त नियंत्रक, अपने स्तर पर वित्तीय स्वीकृतियों के समक्ष व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगें तथा यदि किसी मामले में सीमाधिक व्यय दृटिगोचर हो अथवा किसी विनियोग की प्राथमिक इकाई के अधीन अनुपातिक आधार पर व्यय में किसी बडे अन्तर की सम्भावना मालूम पडे तो उसे तत्काल वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7, वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 तथा उपभोक्ता संरक्षण एवं बाट माप अनुभाग-1, उत्तर प्रदेश शासन के संज्ञान में लाया जाय।

12- वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-1/2016/बी-1-746/दस-2016-231/2016 दिनॉक 22 मार्च, 2016 में दिये गये दिशा निर्देशों का यथावत् अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

13- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में आय-व्ययक की अनुदान संख्या-21 के अन्तर्गत लेखाशीर्ष "3475-अन्य सामान्य आर्थिक सेवायें-आयोजनेत्तर-106-भार और माप का विनियमन-03-अधिष्ठान व्यय" के अन्तर्गत सुसंगत इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

14- यह आदेश वित्त विभाग के उक्त शासनादेश दिनॉक 22 मार्च, 2016 द्वारा प्रदत्त अधिकारों के तहत निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 जटा शंकर त्रिपाठी)
अनु सचिव।

<u>सख्या- 12/2016/1003(1)/84-1-15-तददिनॉक</u>

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (सिविल आडिट), प्रथम/द्वितीय उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
2- महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
3- महालेखाकार (लेखा परीक्षा), प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
4- वरिष्ठ कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
5- निदेशक, वित्तीय सांख्यकी निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
6- अनु सचिव,/आहरण एवं वितरण अधिकारी, खाद्य एवं रसद सचिव शाखा, उत्तर प्रदेश शासन।
7- राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन0आई0सी0) योजना भवन, लखनऊ।
8- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7, वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1
9- खाद्य एवं रसद अनुभाग-3/लेखा अनुभाग, खाद्य एवं रसद विभाग।
10- गार्ड बुक।

आज्ञा से,

(डा0 जटा शंकर त्रिपाठी)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।